RTT-103

M.Phil./Ph.D. IN TRANSLATION STUDIES (COURSE WORK)

(M.Phil. TT/Ph.D. TT)

Term-End Examination

December, 2022

RTT-103 : CRITIQUING TRANSLATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note :

(i) *Attempt any **five** questions.*

(ii) *Question no. **8** is **compulsory**.*

(iii) *All questions carry equal marks.*

(iv) *Answer questions no. from **1** to **7** in about 750 words each and write short notes of question no. **8** in about 400 words each.*

1. Describe the concepts of 'Samalochana' and 'Vivechana' in Critiquing Translation.

2. Discuss and differentiate between Translation Review and Critiquing Translation.

3. Examine Critiquing Translation as a research pursuit.

4. Define the meaning and nature of Identity and describe the concept of 'Critiquing Translation of Identities'.

5. Elucidate translated texts with reference to language identity.

6. Critique the Hindi translation of 'The Second Sex'.

7. "Hindi translations of Geetanjali provide a wider perspective to critiquing translation." Comment.

8. Write short notes on any ***two*** of the following in about 400 words each :

(a) Criticism and Critiquing Translation

(b) Translations of 'Abhigyan Shakuntalam'

(c) Critiquing Translation of 'Raag Darbari'

(d) Critiquing Translation of Caste Identity

एम.फिल./पीएच. डी. अनुवाद अध्ययन (कोर्स वर्क)
(एम.फिल. टी.टी./पीएच. डी. टी.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

आर.टी.टी.-103 : अनुवाद मीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट :

(i) *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(ii) *प्रश्न सं. **8** **अनिवार्य** है ।*

(iii) *सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

(iv) *प्रश्न सं. **1** से **7** तक के उत्तर लगभग 750 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए तथा प्रश्न सं. **8** के अन्तर्गत संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए ।*

1. अनुवाद मीमांसा में 'समालोचना' और 'विवेचना' संबंधी अवधारणाओं का वर्णन कीजिए ।

2. अनुवाद समीक्षा और अनुवाद मीमांसा की चर्चा कीजिए और उनमें अंतर स्पष्ट कीजिए ।

3. शोध कार्य के रूप में अनुवाद मीमांसा का परीक्षण कीजिए ।

4. अस्मिता के अर्थ और स्वरूप को परिभाषित कीजिए । अस्मिताओं के अनुवाद मीमांसा की अवधारणा का वर्णन कीजिए ।

5. भाषा अस्मिता के संदर्भ में अनूदित कृतियों पर प्रकाश डालिए ।

6. 'दि सेकंड सेक्स' के हिंदी अनुवाद की समीक्षा (मीमांसा) कीजिए ।

7. "गीतांजलि के हिंदी अनुवादों ने अनुवाद मीमांसा को व्यापक आयाम प्रदान किया है ।" टिप्पणी कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) क्रिटिसिज़्म और अनुवाद मीमांसा

(ख) 'अभिज्ञान शाकुंतलम' के अनुवाद

(ग) 'राग दरबारी' की अनुवाद मीमांसा

(घ) जाति अस्मिता की अनुवाद मीमांसा